इंदौर, सोमवार, 24 नवंबर 2014
www.dabangdunia.co

आनंद मांगलिक भवन के उद्घाटन के मौके पर कहा

पुलिसकर्मी प्राणायाम और योग करें -डीजीपी

दबंग रिपोर्टर ■ इंदौर

डीजीपी सुरेंद्र सिंह रविवार सुबह इंदौर पहुंचे। उन्होंने रुस्तमजी सशस्त्र पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय परिसर में बने आनंद मांगलिक भवन का दो रिटायर्ड हो रहे पुलिसकर्मियों के साथ शुभारंभ किया। दिसंबर में रिटायर्ड हो रहे आरक्षक छोटेलाल सिंह निवासी रीवा व जनवरी में रिटायर हो रहे एसआई अशोक द्विवेदी को लेकर अधिकारी पहुंचे। इस दौरान डीजीपी सिंह ने छोटेलाल से पूछा तुम्हें नौकरी में कितने साल हुए हैं। रिटायरमेंट के बाद कहां रहोगे। छोटेलाल ने बताया पुलिस में 31 साल हो गए हैं और रिटायरमेंट के बाद वह अपने गांव रीवा जाएगा। डीजीपी सिंह ने छोटेलाल व अशोक के साथ मिलकर भवन का शुभारंभ किया।

बाद में उन्होंने एडीजी डीएस सेंगर, आईजी विपिन माहेश्वरी, आईजी वरुण कपूर, डीआईजी राकेश गुप्ता सहित अन्य अधिकारियों के साथ मांगलिक भवन का दौरा किया। भवन को पुलिसकर्मियों के परिवार में होने वाले मांगलिक कार्यों के आयोजन के लिए बनाया गया है। ग्यारह महीने में यह बनकर तैयार हुआ है। डीजीपी ने यहां केटरिंग व गैस की व्यवस्था को लेकर अधिकारियों से चर्चा की। अधिकारियों ने डीजीपी सिंह को पुष्पगुछ भेंटकर स्वागत किया।

आनंद मांगलिक भवन का उद्घाटन करते डीजीपी सुरेंद्र सिंह।

पुलिसकर्मियों ने बताईं अपनी समस्याएं

इसके बाद संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें डीजीपी सिंह ने पुलिसकर्मियों को प्राणायाम व योग करने की सलाह दी। उनका कहना था स्वस्थ रहने के लिए यह जरूरी है। साथ ही पुलिसकर्मियों को अपने परिवार का ध्यान भी रखना चाहिए। संवाद में डीजीपी को पुलिसकर्मियों ने अपनी समस्याएं बताईं। आरएपीटीसी में पदस्थ पुलिसकर्मी ने बताया वहां मौजूद बैरक खराब है। जिसे सुधारा जाना चाहिए। फोर्स बैंड में कर्मचारियों का प्रमोशन लंबे समय से रुका हुआ है। मैंटेनेंस डिपार्टमेंट की शिकायत थी कि फोर्स में बड़े वाहन ज्यादा हैं। उनके साथ छोटे वाहन भी होना चाहिए। इस दौरान एडीजी डीएस सेंगर ने प्लाटून के पदों के नाम को लेकर राय दी। उनका कहना था एसीएम को यदि डीएसपी के पद से संबोधित किया जाए तो उस अधिकारी को अपने आप में एक रैंक महसूस होगी। ऐसे ही सभी पदों के नाम में परिवर्तन किया जाना चाहिए। डीजीपी सिंह ने सभी की समस्याएं सुनकर अधिकारियों को उनका समाधान करने के निर्देश दिए।

ई-चालान को पूरे प्रदेश में करेंगे लागू

इंदौर। जल्द ही पूरे प्रदेश में ट्रैफिक पुलिस ई-चालान सिस्टम लागू करेगी। साथ ही बढ़ रहे सायबर अपराधों को लेकर जिला स्तर पर अधिकारियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। इंदौर में भी सायबर थाने में बल बढ़ाकर आधुनिकीरण किया जाएगा। यह बात प्रदेश के पुलिस महानिदेशक सुरेंद्रसिंह ने रविवार को पत्रकारों से कही। उन्होंने बताया शहर के अधिकारियों से चर्चा की है, थाना क्षेत्रों में जनता के बीच पहुंचकर सीधा संवाद किया जाए। वही थाने में बैठक नही करने की बात कही। महिला अपराधों को लेकर उसे रोकथाम करने और कोर्ट से उन पर होने वाले निर्णय में पुलिस प्रकिया तेज करने के लिए कहा। वही व्यापम मामले में एसआईटी को लेकर भी चर्चा की गई। उन्होंने यहां पुलिसकर्मी की छुट्टियों पर भी चर्चा की और बताया पुलिस के सामने चुनौती और अन्य कामों को लेकर हफ्ते में एक दिन छुट्टी होना जरूरी नही। डीजीपी के सामने मीडिया ने कई मामलों में रिपोर्ट दर्ज नही करने को लेकर पुलिस द्वारा बरती जा रही लेटलतीफी और लूट जैसे मामलों को चोरी में तब्दील किए जाने की जानकारी दी। इस पर डीजीपी ने मामले दिखवाने के लिए कहा। आखिरी में यातायात पुलिस के कार्ड का विमोचन किया।

कंट्रोल रूम में ली अधिकारियों की बैठक

इंदौर। पुलिस महानिदेशक सुरेंद्र सिंह ने आईजी विपिन माहेश्वरी, डीआईजी राकेश गुप्ता, एसपी सहित अन्य अधिकारियों के साथ कंट्रोल रुम में बैठक ली। उन्होंने अधिकारियों को बताया अवैध हथियार बेचने और रखने वाले अपराधियों पर नजर रखें। साथ ही नशा बेचने और करने वाले लोगों पर भी ध्यान रखें और उनकी लिस्टिंग की जाए। अधिकारियों को निर्देश दिए सभी थाना क्षेत्रों में गश्त समय पर रखें, जो अधिकारी किसी मामले में विवेचना कर रहा है उस पर बिंदु खुद तैयार करे। वही वरिष्ठ अधिकारियों को थाने में समन्वय बनाने और जवानों से फीडबैक लेने के लिए कहा। वारंट तामिली समय-समय पर करने, पुलिसकर्मियों के जो वारंट आते हैं वह न आएं इसका ध्यान रखने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में एडीशनल एसपी और सीएसपी भी शामिल हुए।